MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

Term-End Examination

June, 2021

MECE-004 : FINANCIAL INSTITUTIONS AND MARKETS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each section as per instructions given.*

SECTION A

(Long-Answer Questions)

*Answer any **two** questions from this section.* *2×20=40*

1. What do you understand by an option in a financial market ? What are the major insights offered by Black-Scholes model on options pricing ? Discuss the assumptions made while deriving the Black-Scholes equations for pricing options.

2. Discuss debt and equity as means of raising finance by a firm. In this context, discuss the Modigliani-Miller hypothesis.

3. Describe the working of foreign exchange markets. Discuss the relative merits of fixed and flexible exchange rates.

4. Analyse the Fisherian hypothesis regarding interest rates and inflation. In this regard, examine the Quantity Theory of Money.

SECTION B

(Medium Answer Questions)

*Answer any **five** questions from this section.* *5×12=60*

5. Critically assess the suitability of the linear probability model in the analysis of credit risk.

6. What is Expected Utility Function ? What are its important properties ?

7. Discuss the role of stock markets in the economy.

8. Describe the flow of funds accounts of a nation and discuss their significance.

9. Explain how banks create money by giving loans. Is there any limitation on banks to create credit ?

10. Examine the Keynesian theory of the determination of interest rates.

11. Discuss the role and functions of Securities and Exchange Board of India (SEBI).

12. Write short notes on any ***two*** of the following :

(a) DEMAT Securities

(b) Value-at-Risk

(c) Credit Risk

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

एम.ई.सी.ई.-004 : वित्तीय संस्थान एवं बाज़ार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *दिए गए निर्देशानुसार प्रत्येक खण्ड से प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

*इस खण्ड से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* *2×20=40*

1. वित्तीय बाज़ार में विकल्प (options) से आप क्या समझते हैं ? ब्लैक-शोल्स के मॉडल द्वारा विकल्प क़ीमत-निर्धारण पर क्या प्रमुख अन्तर्दृष्टियाँ प्रदान की गयी हैं ? विकल्पों की क़ीमत-निर्धारण हेतु ब्लैक-शोल्स समीकरणों को निकालने में प्रयुक्त मान्यताओं की चर्चा कीजिए ।

2. ऋण एवं ईक्विटी की चर्चा किसी फर्म द्वारा वित्त प्राप्त करने के साधनों के रूप में कीजिए । इस संदर्भ में मोडिग्लियानी-मिलर परिकल्पना की चर्चा कीजिए ।

3. विदेशी विनिमय (foreign exchange) बाज़ारों के कार्य करने की विधि का वर्णन कीजिए । स्थिर तथा अस्थिर विनिमय दरों के तुलनात्मक गुणों की चर्चा कीजिए ।

4. ब्याज दरों तथा मुद्रा स्फीति से संबंधित फिशर की परिकल्पना का विश्लेषण कीजिए । इस संदर्भ में, मुद्रा के परिमाण सिद्धांत की जाँच कीजिए ।

खण्ड ख

(मध्यम-उत्तरीय प्रश्न)

*इस खण्ड से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* *5×12=60*

5. साख जोखिम के विश्लेषण के लिए रैखिक प्रायिकता मॉडल की उपयुक्तता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

6. प्रत्याशित उपयोगिता फलन क्या है ? इसके महत्त्वपूर्ण गुणधर्म क्या हैं ?

7. अर्थव्यवस्था में स्टॉक बाज़ारों की भूमिका की चर्चा कीजिए ।

8. देश के कोष-प्रवाह लेखों का वर्णन कीजिए तथा उनके महत्त्व की चर्चा कीजिए ।

9. समझाइए कि बैंक किस तरह ऋण देने की प्रक्रिया में मुद्रा उत्पन्न करते हैं । बैंकों के साख (credit) सृजन की क्षमता की क्या कोई सीमा होती है ?

10. ब्याज दर निर्धारण के केन्सीय (Keynesian) सिद्धांत का परीक्षण कीजिए ।

11. भारतीय प्रतिभूति (Securities) एवं विनिमय बोर्ड (SEBI) की मुख्य भूमिका तथा कार्यों की चर्चा कीजिए ।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) विपत्रित प्रतिभूतियाँ (DEMAT Securities)

(ख) जोखिम में मूल्य

(ग) साख जोख़िम